विरोधाभास: 3
भगवान निर्गुण है।
भगवान सगुण है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

भगवान माया से परे है। अन्य सभी माया द्वारा शासित हैं। माया में तीन मुख्य गुण हैं। सात्विक, राजस, तामस। सात्विक आदमी धार्मिक प्रवृत्ती का होता है। दान परोपकार आदि में रूची रखता है।
राजस आदमी जीवन के जायज सुख भोग में लिप्त रहता है ।
तामस आदमी शराब, मांस आदि का सेवन करता है तथा नाजायज सुख भोग में लिप्त रहता है । अपराधी प्रवृत्ती के लोग भी तामसी होते है।

मान लो एक आदमी के पास चार रोटी है, जो वो खाने जा रहा है और कोई भूखा आदमी आता है। तो तामस आदमी कहेगा कि मुझे भी भूख लगी है। ये चारो रोटी मेरी कमाई की है। इसे मैं खाऊंगा। राजस आदमी कहेगा कि आओ दो रोटी तुम खाओ दो रोटी मैं खाऊंगा। सात्विक आदमी कहेगा कि तुम बहुत भुखे लग रहे हो। ये चारो रोटी तुम खाओ, मैं शाम को खा लूंगा। इससे आप तामस, राजस, सात्विक प्रवृत्ती का अंदाजा लगा सकते हो।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

सभी जीवित जीव समय-समय पर इन प्रवृत्तियों से प्रभावित होते हैं। एक प्रवृत्ति जो व्यक्ति पर अधिक हावी रहती है वह एक व्यक्ति के चरित्र का फैसला करती है।

चूंकि भगवान माया से परे है। माया भगवान के पास फटक भी नही सकती। इसलिए माया के ये तीनो गुणों

से भगवान परे है। मतलब ये हुआ कि भगवान इन तीनो गुणों से रहित है। अतः भगवान निर्गुण है।

लेकिन भगवान दिव्य है और उसके पास कई दिव्य गुण हैं। उदाहरण के लिए वह सर्वज्ञानी, सर्वव्यापी, सर्वांतर्यामी, बिना शर्त कृपालु, अकारण करूण है। भगवान के पास अनंत दिव्य गुण हैं। अतः भगवान सगुण है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

इसलिए
भगवान निर्गुण है।
भगवान सगुण है।